'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार'
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

कोल्हापूर
NAAC Reaccredited 'A'
with CGPA -3.24 (in 3rd cycle)

ISSN : 2281-8848

VIVEK
RESEARCH JOURNAL

A Biannual Peer Reviewed National Journal of Multi-Disciplinary Research Articles

A Special Issue on

Indian Council of
Social Science Research
SPONSORED

विमुक्त और घुमंतू जन समुदाय : दशा और दिशा
(भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में)

March, 2022

Scanned with CamScanner

ISSN : [illegible]

VIVEK RESEARCH JOURNAL

A Biannual Peer Reviewed National Journal of Multi-Disciplinary Research Articles

Editor in Chief & Published

Dr. R. R. Kumbhar

Principal-Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)
E-mail : editorvivekresearchjournal@gmail.com

Executive Editor

Dr. P. A. Patil

Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)
E-mail : prabhapatil21@gmail.com

Editorial Board

Dr. M. M. Karanjakar
Professor and Head
Dept. of Physics
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. S. M. Joshi
Asst. Professor
Dept. of English
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. K. A. Undale
Asst. Professor
Dept. of Chemistry
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. T. C. Gaupale
Asst. Professor
Dept. of Zoology
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. V. B. Waghmare
Asst. Professor & Head
Dept. of Computer Science
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. S. R. Kattimani
Asst. Professor
Dept. of History
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. A. S. Mahat
Asst. Professor & Head
Dept. of Hindi
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. R. Y. Patil
Asst. Professor
Dept. of Computer Science
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. Pradip Patil
Asst. Professor
Dept. of Marathi
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. Neeta Patil
Librarian
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Advisory Board

Prin. Abhaykumar Salunkhe
Executive Chairman
Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha,
Kolhapur.

Prin. Mrs. Shubhangi Gavade
Secretary,
Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha,
Kolhapur.

Prin. Dr. Ashok Karande
Former Jt. Secretary (Administration)
Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha,
Kolhapur.

Dr. Rajan Gavas
Former Head, Dept. of Marathi,
Shivaji University, Kolhapur.

Dr. D. A. Desai
Former Head,
Dept. of Marathi,
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. M. S. Jadhav
Former Head,
Dept. of Hindi
Vivekanand College, Kolhapur (Autonomous)

Dr. Namita Khot
Director, Barr. Balasaheb Khardekar
Knowledge Resource Centre, Kolhapur

Scanned with CamScanner

इंडियन कॉउंसिल ऑफ
सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) प्रायोजित

विशेष अंक
मार्च, 2022

विमुक्त और घुमंतू जन समुदाय: दशा और दिशा
[भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में]

अतिथि संपादक
डॉ. आरिफ महात

संपादक मंडल सदस्य
डॉ. दीपक तुपे
डॉ. प्रभावती पाटील
डॉ. प्रदीप पाटील

Scanned with CamScanner

संपादकीय

भारत देश को स्वतंत्रता दिलाने में सभी का योगदान रहा है। इसे नकारा नहीं जा सकता। घुमंतू समुदाय ऐसा ही एक समाज है जो अपने लढाऊ प्रवृत्ती के कारण अंग्रेजों को नाकों तले चने चबवाया है। इस समुदाय ने अपने तरफ से देश को स्वतंत्रता दिलाने में सहयोग दिया है लेकिन आज भी यह समाज मुख्य धारा से पिछड़ा हुआ है।

घुमंतू का शाब्दिक अर्थ है, 'घुमक्कड़' जो बिना कारण इधर-उधर घूमे। घुमंतू जनजाति के संदर्भ में घुमंतू का अर्थ जाने तो वो विशेष जाति जिनका कोई स्थायी निवास नहीं होता और आजीविका की तलाश में वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमा करते हैं और घूमना इनका शौक नहीं विवशता है। इसी के संदर्भ में हमारे देश में आज घुमंतु, अर्ध-घुमंतू, विमुक्त जनजातियों में लगभग 840 जातियां है, जिनमें भारतीय समाज का सर्वाधिक उपेक्षित और पिछड़ा वर्ग है कालबेलिये, नट, भांड, पारधी, बहुरूपिये, सपेरे, मदारी, कलंदर, बहेलिये, भवैया, बणजारे, गुज्जर, गाड़िया लुहार, सिकलीगर, कुचबंदा, रेबारी, बेड़िया, नायक, कंजर, सांसी जैसी सैंकडो जातियाँ आती हैं।

सन 1871 में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट के तहत बहुत सारी लडाकू जनजातियों को क्रिमिनल ट्राइब या अपराधी जनजातियों के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। भारत मे इन जनजातियों को जन्मजात अपराधी घोषित किया गया था। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी करनेवाली इन समुदायों की संतानों को भी जन्मजात अपराधी के श्रेणी मे रखा गया था। भारत देश को स्वतंत्रतातो 15 अगस्त 1947 मिली लेकिन अँग्रेजो द्वारा गोपी गयी इन समुदाय की गुलामी 31 अगस्त 1952 को समाप्त हुई। सन् 1952 तक अंग्रेजी कानून के तहत इन्हें जन्मजात अपराधी माना जाता था अब ये आदतन अपराधी माने जाने लगे मगर उनके नाम के आगे विमुक्त शब्द जुड गया जीससे पता चले की ये अपराधी समुदाय से जुड़े लोग हैं। विडंबना यह है कि अंग्रेजो द्वारा प्रचलित पूर्वाग्रह के आधार पर इन विमुक्त जनजातियों को आज भी सामान्य जन या अभिजात वर्ग द्वारा अपराधीक प्रवृत्ति का माना जाता है।

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार घुमंतू जनजातियों की आबादी 15 करोड है। क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के कारण ये कलंकित जीवन जीने के लिये मजबूर हैं, जिसके कारण ये कहीं अपना घर बसा नही पातें। समाज के द्वारा मुख्य धारा में समाहित न हो पाने के कारण और जीवन के मूलभूत सुविधाओं की पूर्ती के अभाव में ये असामाजिक कार्यों से जुड़ जाते हैं। इस समुदाय की स्त्रियों की स्थिति इस से भी बदतर है। ये अपने आप को, बच्चों को जीवित रखने के लिए बेड़नी, नचनिया, देह व्यापार जैसा काम कर अपमानित जीवन जीने के लिए मजबूर हैं।

वर्तमान दौर में अस्मिता मूलक विमर्श के अंतर्गत साहित्य में विमर्श के बहाने उपेक्षित जनजीवन को साहित्य में स्थान दिया जा रहा है। दलित, आदिवासी, स्त्री, किन्नर आदि समाज जीवन साहित्य में चित्रित किया गया है। अब तो साहित्य में घुमंतू जनजातियों पर भी बहुत मात्रा में भारतीय भाषाओं में साहित्य का निर्माण हो रहा है जिसमें हिंदी, मराठी तमिल, बंगला आदि प्रमुख भाषाओं में आत्मकथा, उपन्यास, कहानी,कविता आदि विधाओं के माध्याम से घुमंतू जन जातियों का वास्तविक चित्रण किया गया है। इस अंक के द्वारा विमुक्त और घुमंतू समुदाय की दशा की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करना हमारा प्रयास रहा है। प्रस्तुत अंक में विमुक्त और घुमंतू समुदाय की दशा और दशा पर विविध शोधकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। इन सभी शोधकर्ताओं का मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

अतिथि संपादक
डॉ आरीफ महात।

Scanned with CamScanner

VIVEK RESEARCH JOURNAL

VIVEK RESEARCH JOURNAL is a Multi-Disciplinary research journal, published biannually in English, Hindi & Marathi languages. All research papers submitted to the journal will be double bind peer reviewed, referred by the members of the review committee and editorial board. The articles recommended by the peer review committee shall only be published.

Disciplines Covered :

- Arts, Humanities and Social Sciences.
- Commerce/Management/Accountancy/Finance/Business/Administration.
- Physical Education & Education.
- Computer Application/Information Technology
- Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Microbiology, Agriculture, Biotechnology
- Library Science
- Law

Guidelines for Contributors

- Articles submitted for the journal should be original research contributions and should not be under consideration for any other publication at the same time. A declaration is to be made by the author in the covering letter for that, along with full contact details with e-mail and mobile number.

- The desired length of the research paper should be of maximum 4000 words in English/Marathi/Hindi with an abstract of not more than 75 to 100 words. At least 5 key words and bibliography must be provided for indexing and information retrieval services.

- All the manuscripts should be typed in a single space with 12 point font for English & 14 point for Marathi & Hindi, on crown size paper with 1 inch margin on all sides.

- A hard copy of the Marathi/Hindi Articles in **ISMDVB_TT Dhruv Font or Shree Lipi Devratna Font** & a hard copy of the English articles in Times New Roman font in Word format (MS Word) should be sent to the editor. Please send the font in which you have typed the article in the soft copy. The contributors can e-mail their articles to **editorvivekresearch@gmail.com.**

- Contributors should bear article review charges of Rs. 500/- which is not refundable. The charges may be sent by DD in favour of **Editor, Vivek Research,** Journal Payable at Kolhapur.

Scanned with CamScanner

Indian Council of
Social Science Research

विमुक्त और घुमंतू जन समुदाय : दशा और दिशा
(भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में)

Scanned with CamScanner

ISSN : 2581-8848

अनुक्रम

Sr. No.	Title of Article	Author Name	Page No.
1	छत्तीसगढ़ के विमुक्त अनुसूचित जाति नट एवं उनके खेलतमाशा का - नृजातिवृतांतात्मक अध्ययन	हेमन्त कुमार डॉ. जितेन्द्र कुमार प्रेमी	1
2	विमुक्त एवं घुमंतु जन समुदाय दशा एवं दिशा	डॉ. आरिफ महात	8
3	भारतीय घुमंतू बंजारा समुदायसमाज : और सांस्कृतिक परंपराओं के परिप्रेक्ष्य में	डॉ. शाहीन अजाज जमादार	13
4	विमुक्त एवं घुमंतु जनजातियों की अवधारणा एवं स्वरूप	व्यंकट घारासुरे	16
5	विमुक्त घुमंतु समुदाय का अतित एवं वर्तमान दशा- दिशा	प्रा. युवराज सुभाष जाधव	19
6	विमुक्त या घुमन्तू समुदाय : समाज एवं संस्कृति के सन्दर्भ में	शेषांक चौधरी	24
7	मराठी लोकसंस्कृति- के प्रचार-प्रसार में घुमंतू जातियों का योगदान	संतोष वसंत कांबले पूनम शर्मा	29
8	विमुक्त घुमंतू नारियों की दशा और दिशा	प्राडॉ.संदिप तानाजी कदम.	33
9	भारतीय साहित्य में विमुक्त और घुमंतू जनजातियों पर आधारित उपन्यासों का अध्ययन	कु. सुषमा बाळाराम खोत	36
10	Literature of Deprived Classes	Dr. Kalyan Shidram Kokane	40
11	महाराष्ट्रातील भटक्या विमुक्त पाथरवट जमातीचे सामाजिक जीवन	उज्वला समाधान डांगे	43
12	भटक्या विमुक्त जाती जमाती स्वरूप : आणि व्याप्ती	केशरचंद नारायण राठोड	48
13	महाराष्ट्रातील भटक्या विमुक्त जमातीचे सामाजिक जीवन	डॉ. मंगेश भावराव पाटील	53
14	गोपाळ समाजजीवन	ललिता मानसिंग गोपाळ	59

Scanned with CamScanner

ISSN : 2581 8848

15	'वळंबा' आत्मकथन : सामाजिकता	वीणा रमेश गुलदेवकर	63
16	लमाणांच्या आर्त वेदनांचे स्पंदन: लदनी	श्री गौरीशंकर दत्तात्रय खोबरे	66
17	"शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे यांचे विचार व कार्य आणि भटक्या विमुक्त जाती–जमाती"	सौ. शेख शबाना.एम. प्रा. सचिन बबन साळवे	70
18	उपन्यास 'अल्मा कबूतरी': कबूतरा समाज का ताना – बाना	डॉ. सरोज पाटील	74
19	भटक्या समाजातील स्त्रियांची आत्मकथने	डॉ . सर्जेराव पद्माकर	78
20	छप्परबंद समाजाची सामाजिक स्थिती	डॉ. मनिषा विनायक शिरोडकर	86
21	भटक्या विमुक्त जाती-जमातीच्या आत्मकथनांमधील सामाजिकता	शितल संग्राम सालवाडगी	91
22	आदिवासी जमातीचे सामाजिक जीवन	डॉ. ज्योती रामराव रामोड	97
23	"भटक्या विमुक्त जमातीची क्षेत्रीय पहाणी"	डॉ. घाडगे डी. के.	100
24	"बंजारा समाजाचे सामाजिक जीवन"	प्रा. आर्या सुनील कुलकर्णी	105
25	स्वातंत्र्याची पंच्याहत्तरी आणि उपेक्षित वंचित घटक	प्रा. डॉ. विजय माने	108
26	'निलोफर' उपन्यास में चित्रित विमुक्त और घुमन्तू जनजातिय परिवार	डॉ कल्पना पाटोळे.	114
27	खानाबदोश नटों के जीवन का यथार्थ दस्तावेज :शैलूष	डॉ. मालोजी अर्जुन जगताप	117
28	गोहुअन (उपन्यास) और आदिवासी स्त्री का विद्रोह	डॉ. इबरार खान	120
29	"घुमंतू जनजाति का दहकता दस्तावेज : पराया"	डॉ. गायकवाड शितल माधवराव	124

Scanned with CamScanner

ISSN : 2581-8848

30	विमुक्त घुमंतू समुदाय का जीवन दर्शन	डॉ विश्वनाथ किशन भालेराव	128
31	घुमंतू बंजारा समाज की संस्कृति	प्रा. डॉ. महावीर रामजी हाके	133
32	विमुक्त और घुमंतू जन समुदाय की दशा और दिशा	डॉ. शिंदे मालती धोंडोपन्त	136
33	भारतीय साहित्य में विमुक्त घुमंतू समुदाय जीवन	डॉ.संतोष बबनराव माने .	143
34	नंदीवाला समाज की बोली का अध्ययन	डॉ सविता कृष्णात पाटील .	146
35	'उपेक्षित विमुक्त -घुमंतू समुदाय की दास्तान हिंदी साहित्य के परिप्रेक्ष्य में'	डॉ. सूर्यकांत शिंदे	149
36	विमुक्त और घुमंतू जन समुदाय: दशा और दिशा ('उचक्का' आत्मकथा के संदर्भ में)	सुभाष विष्णु बामणेकर	153
37	भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और घुमंतू समुदाय	अनिल विठ्ठल मकर	157
38	" 'उचक्का' आत्मकथा में चित्रित जनजातीय समस्याएँ "	प्राजक्ता अंकुश रेणुसे	160
39	वंचितों ,घुमन्तु आदिवासी जनजाति का साहित्य : एक विवेचन	प्रा . अमलपुरे सूर्यकांत विश्वनाथ	163
40	विमुक्त एवं घुमंतू समुदाय : अवधारणा एवं स्वरूप	डॉ. निशाराणी महादेव देसाई	166
41	मराठी घुमंतू समुदाय के गीतों द्वारा प्रबोधन	पूनम शर्मा संतोष वसंत कांबले	169
42	भटक्या - विमुक्तांची आत्मकथने	डॉ. आर. के. शानेदिवाण	173
43	घुमंतू की वर्तमान दशा और दिशा	प्रा.डॉ. अशोक तुकाराम जाधव	177
44	'चानी' चित्रपटातून साकारलेली वारली जमातीचे जीवनदर्शन	डॉ. कविता अ. गगराणी कु. नम्रता देविदास ढाळे	181

Scanned with CamScanner

ISSN : 2581-8848

45	मराठी साहित्यातील भटक्या विमुक्तांची पृथगात्मकता : शंकरराव खरातांच्या संदर्भात	डॉ. चंद्रशेखर मधुकर भारती	185
46	शौक से नहीं, विवशता से घूमती है घुमंतू जनजातियाँ	डॉ. दीपक रामा तुपे	188
47	भटक्या विमुक्त जमातीच्या समस्या:- एक समाजशास्त्रीय अभ्यास	प्रा. हरिश्चंद्र व्यंकटराव चामे	192
48	"भटक्या विमुक्तांची चळवळ	बाळकृष्ण रेणके	196
49	भटक्या- विमुक्त जमातींची संस्कृती (बेरड, वैदू, बंजारा)	प्रा. प्रियांका अशोक कुंभार	199
50	महाराष्ट्र के विमुक्त घुमंतू की पहचान	सूर्यकांत भगवान भिसे	204
51	कबूतरा आदिवासी जाति की यथार्थ दासता : अल्मा कबूतरी (उपन्यास)	श्री नीलेश जाधव	207
52	भटक्या विमुक्त जाती-जमातीचे सामाजिक जीवन चित्रण (निवडक साहित्यकृतींच्याआणिअनुषंगाने)	डॉ शर्मीला बाळासाहेब घाटगे	210
53	घुमंतु जनजातियों में बंजारा जनजाति का सामाजिक एवं अभिक्षेत्रिय अध्ययन	डॉ. संदीप रुपरावजी मसराम	214
54	भारत के घुमंतु नारियों का जीवन	डॉ. युवराज माने प्रा. देवनाथ कर्डेल	217
55	मराठी कादंबरीत चित्रित भटक्या-विमुक्त जमातींचे सामाजिक जीवन	डॉ. स्वप्निल बुचडे	220
56	स्वातंत्र्यलढ्यामध्ये आदिवासी भटक्या जमातींचा सहभाग	डॉ. अश्विनी रामचंद्र खवळे	227

Scanned with CamScanner

57	नाथपंथी डवरी गोसावी जमातींचे प्रतिनिधित्व करणारी 'देशोधडी'	डॉ. पल्लवी कोडक	230
58	Unheard Voice of Subaltern in Kishore Shantabai Kale's Against All odds	Dr. Kavita Tiwade Dr. Salama Maner	236
59	Nomadic Tribes and Deprived Castest A Social Perspective	Ms. Madhuri Pawar	242
60	Akhila, a Nomad : Exploring the Element of Nomadicm in Anita Nair's Ladies Coupe	Ms. Supriya Mohan Patil Dr. Shruti Joshi	246
61	मराठी साहित्य में घुमंतू जनसमुदास	प्रा. हंबीराव मा. चौगले	252
62	घुमंतु जनजातियों का सांस्कृतिक दर्शन	निता चांगदेव देशभ्रतार	255

Scanned with CamScanner